बंसी वाले तेरा दरबार रे

मैं तो सींचूगी सुबह और श्याम रे
बंसी वाले तेरा दरबार रे.....-2

मैं गंगा जल भर लाई हूँ...–3
बंसी वाले को नहलाने आई हूँ
मैं तो सींचूगी सुबह और श्याम रे.....

घिस-घिस चंदन भरी कटोरी....–3
मुरली वाले को तिलक लगाउंगी
मैं तो सींचूगी सुबह और श्याम रे.....

मैं चुन-चुन कलियाँ लाई हूँ....–3
बंसी वाले को सजाने आई हूँ
मैं तो सींचूगी सुबह और श्याम रे.....

पीला पीतांबर, टसर की धोती....-3
बंसी वाले को पहनाने आई हूँ
मैं तो सींचूगी सुबह और श्याम रे.....

छप्पन भोग छत्तीसों व्यंजन...-3
मैं भोग लगाने आई हूँ
मैं तो सींचूगी सुबह और श्याम रे.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22961/title/bansi-wale-tera-darbaar-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |